Daily Current Affairs

Date : 21 July, 2025

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश - जस्टिस के. आर. श्रीराम
2.	अक्षय ऊर्जा उत्पादन में राजस्थान शीर्ष पर
3.	बेस्ट मैजिक क्रिएटर अवॉर्ड 2025
4.	मिज़ोरम का 'लुंगफुन रोपुई' 'राष्ट्रीय महत्त्व का स्मारक' घोषित
5.	लोक लेखा समिति (PAC)
6.	डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी
7.	IIM कोझिकोड का 'ज्ञानोदय' केंद्र
8.	भारत त्वरित भुगतान में शीर्ष देश : IMF
9.	32वाँ सिंगापुर-भारत द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास (SIMBEX) 2025
10.	इन्विक्टस (INVICTUS) परियोजना
11.	अपतटीय क्षेत्रों में परमाणु खनिजों के संचालन अधिकार नियम, 2025
12.	यूलिया स्विरीडेंको – यूक्रेन की पहली महिला प्रधानमंत्री
13.	अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस 2025
14.	विश्व शतरंज दिवस 2025
15.	अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड 2025

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

16.	**न्यूज़ इन शॉर्ट्स** **1. पशुपालन और मुर्गीपालन को कृषि का दर्जा**

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश - जस्टिस के. आर. श्रीराम

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने जयपुर स्थित राजभवन में न्यायमूर्ति कल्पति राजेंद्रन श्रीराम (के. आर. श्रीराम) को राजस्थान उच्च न्यायालय के 43वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम. एम. श्रीवास्तव को मद्रास हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया हैं।**
- **जस्टिस के. आर. श्रीराम का जन्म 28 सितंबर, 1963 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से LLB की डिग्री प्राप्त की और लंदन से समुद्री विज्ञान में LLM की डिग्री प्राप्त की।**
- **जुलाई, 1986 में वे महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल में वकील के रूप में पंजीकृत हुए। अपने विधिक करियर के दौरान उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, उपभोक्ता फोरम, सीमा शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण तथा कंपनी कानून बोर्ड जैसे विभिन्न न्यायिक मंचों पर वकालत की।**
- **उनकी न्यायिक सेवा की शुरुआत 21 जून, 2013 को बॉम्बे हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में हुई। 2 मार्च, 2016 को उन्हें स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया।**
- **21 सितंबर, 2024 को वे मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

❖ **फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:**

उच्च न्यायालय (संवैधानिक प्रावधान)

- **भाग VI, अनुच्छेद - 214 से 231 तक।**

राजस्थान उच्च न्यायालय के स्थान से संबंधित समिति (27 मार्च, 1949 को प्रस्तुत रिपोर्ट)

1. **बी.आर. पटेल समिति।**
2. **एच.पी. सिन्हा समिति।**
3. **टी.सी. पुरी समिति।**

राजस्थान उच्च न्यायालय अध्यादेश 1949

- **राजस्थान राज्य के लिए एकल उच्च न्यायालय का प्रावधान किया गया।**
- **राजप्रमुख सवाई मान सिंह द्वितीय ने 25 अगस्त, 1949 को उच्च न्यायालय की स्थापना के लिए अधिसूचना जारी की।**
- **उद्घाटन - 29 अगस्त, 1949**
- **राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश : न्यायमूर्ति के. के. वर्मा (29.08.1949 -24.01.1950)**
- **राजस्थान उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश : न्यायमूर्ति के. आर. श्रीराम।**
- **राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल सीटों की संख्या – 50**
- **प्रधान पीठ : जोधपुर।**
- **अतिरिक्त पीठ : जयपुर।**
- **सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्य न्यायाधीश - न्यायमूर्ति कैलाश नाथ वांचू।**
- **सबसे छोटे कार्यकाल वाले मुख्य न्यायाधीश - न्यायमूर्ति सतीश कुमार मित्तल।**
- **प्रथम कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश - न्यायमूर्ति जे.एम. पांचाल।**
- **वे मुख्य न्यायाधीश जो सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे - न्यायमूर्ति कैलाश नाथ वांचू, न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अक्षय ऊर्जा उत्पादन में राजस्थान शीर्ष पर

चर्चा में क्यों?

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी जून, 2025 के आँकड़ों के अनुसार राजस्थान देश में सबसे ज्यादा अक्षय ऊर्जा (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोमास) का उत्पादन करने वाला राज्य बना।

मुख्य बिंदु :

- राजस्थान के बाद गुजरात का अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में दूसरा स्थान है।
- राजस्थान की अक्षय ऊर्जा क्षमता – 37,818 मेगावाट (MW)
- सौर ऊर्जा में राजस्थान का प्रथम स्थान है, जबकि पवन ऊर्जा में पाँचवाँ स्थान है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- राजस्थान, जहां सौर विकिरण की तीव्रता प्रतिदिन 6 से 7 किलोवाट-घंटे प्रति वर्गमीटर है और साल भर में 325 से अधिक सौर दिवस होते हैं, सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं रखता है।
- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, राज्य में सौर ऊर्जा की अनुमानित क्षमता लगभग 142 गीगावाट (GW) आंकी गई है।
- राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RRECL) राज्य में गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा उत्पादन के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की राज्य नोडल एजेंसी है।
- साथ ही, यह ऊर्जा दक्षता व ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) की एक राज्य नामित एजेंसी भी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

❖ फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024:

- ♦ राज्य सरकार द्वारा इस नीति की अधिसूचना 04 दिसंबर, 2024 को जारी की गई।
- ♦ नीति की अवधि: यह नीति अधिसूचना की तारीख से प्रभावी है और 29 मार्च, 2029 तक या किसी अन्य नीति द्वारा प्रतिस्थापित करने तक लागू रहेगी।

लक्ष्य:

- ♦ नीति का उद्देश्य राज्य में वर्ष 2029-30 तक 1,25,000 मेगावाट (125 गीगावाट) अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

125 गीगावाट का विभाजन:

क्र.	उत्पादन का प्रकार	लक्षित क्षमता
1.	सौर (Solar)	90,000 MW
2.	पवन और हाइब्रिड (Wind & Hybrid)	25,000 MW
3.	हाइड्रो, पंप स्टोरेज प्लांट (PSP), बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम	10,000 MW

- ■ **नोट:** राजस्थान द्वारा परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 54 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत क्षमता के लक्ष्य को वर्ष 2031-32 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बेस्ट मैजिक क्रिएटर अवॉर्ड 2025

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **हाल ही में, इटली में आयोजित फेडरेशन इंटरनेशनेल डेस सोसाइटीज मैजिक्स (FISM) वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ मैजिक 2025 में भारत की सुहानी शाह ने 'बेस्ट मैजिक क्रिएटर' का खिताब जीता।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **जादू के 'ओलंपिक' के रूप में विख्यात FISM मैजिक से जुड़े पेशेवरों के लिए सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंच है।**
- **सुहानी शाह ऑनलाइन क्रिएटर्स नई श्रेणी में नामांकित और विजेता होने वाली पहली भारतीय हैं।**
- **सुहानी शाह अब तक 5000 से अधिक लाइव परफॉर्मेंस कर चुकी हैं।**
- **संबंध : उदयपुर मूल की जयपुर निवासी सुहानी को अमेरिका, यूरोप और मध्य-पूर्व के शीर्ष जादूगरों के साथ नॉमिनेट किया गया था।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

मिज़ोरम का 'लुंगफुन रोपुई' 'राष्ट्रीय महत्त्व का स्मारक' घोषित

➲ **चर्चा में क्यों?**

- हाल ही में, भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) ने मिज़ोरम स्थित लुंगफुन रोपुई को प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत राष्ट्रीय महत्त्व का स्मारक घोषित किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **वांगछिया स्थित कावछुआ रोपुई के बाद, यह राज्य का दूसरा महापाषाण स्थल है जिसे ASI द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का स्मारक घोषित किया गया है।**
- **प्राचीन नक्काशीदार स्मारक पूर्वी मिजोरम के चम्फाई जिले के लियानपुई गांव में मिले मेनहिर नामक पत्थरों से बना है।**
- **लियानपुई के सीधे खड़े स्मारक पत्थरों पर मानव आकृतियों, पक्षियों, जानवरों, मिथुन के सिरों, घंटियों, छिपकलियों और अन्य सांस्कृतिक रूपांकनों की विस्तृत नक्काशी है, जो ईसाई धर्म के आगमन से पहले मिज़ो लोगों की सांस्कृतिक प्रथाओं को दर्शाती है।**
- **इनमें से सबसे बड़े स्मारक पत्थर की ऊँचाई 1.87 मीटर और चौड़ाई 1.37 मीटर है। लियानपुई गाँव का नाम लुसेई प्रमुख लियानपुइया के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने 18वीं ईस्वी में इस गाँव की स्थापना की थी।**

❖ **फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:**

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)

- **स्थापना : द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ़ इंडिया के रूप में वर्ष 1861 में सर अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा तत्कालीन वायसराय कैनिंग की सहायता से।**
- **ASI भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।**
- **इसका मुख्य उद्देश्य देश में स्थित भौतिक और मूर्त विरासत जैसे प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों की रक्षा और देखभाल करना है।**
- **मुख्यालय : नई दिल्ली।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

लोक लेखा समिति (PAC)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, संसद की लोक लेखा समिति (PAC) ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के कामकाज की समीक्षा का आह्वान किया।

मुख्य बिंदु :

- समीक्षा में आधार बायोमेट्रिक सत्यापन में विफलता की उच्च दर को प्रमुख मुद्दा बताया गया।
- इस विफलता से कई लाभार्थी सामाजिक कल्याण योजनाओं से वंचित हो सकते हैं।
- बुजुर्गों, श्रमिकों और आदिवासियों में बायोमेट्रिक विफलता दर अधिक है।
- इसका परिणाम – PDS, पेंशन और मनरेगा जैसी सेवाओं से वंचित होना है।
- UIDAI के कामकाज में पारदर्शिता और नियमित ऑडिट का अभाव है।
- तथा मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली की भी कमी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

लोक लेखा समिति (PAC):

- यह एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थायी संसदीय समिति है।
- इसका कार्य वित्तीय उत्तरदायित्व और सरकारी व्यय की निगरानी करना है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1921 में मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के तहत हुई थी।
- जिसे हर वर्ष पुनर्गठित किया जाता है।

संरचना:

- कुल सदस्य – 22 सदस्य
  - लोकसभा – 15 सदस्य
  - राज्यसभा – 7 सदस्य
- सदस्यता का आधार – आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय पद्धति से चुनाव होता है, जिससे सभी दलों को प्रतिनिधित्व मिले।
- अध्यक्ष – परंपरागत रूप से विपक्षी दल से होता है।
- अध्यक्ष की नियुक्ति – लोकसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है।

मुख्य कार्य:

- नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की रिपोर्टों की समीक्षा करना।
- यह देखना कि संसद द्वारा स्वीकृत धन का उपयोग सही उद्देश्य व नियमों के अनुसार हुआ या नहीं।
- सरकारी खर्चों की दक्षता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता की जाँच करना।
- मंत्रालयों और विभागों में वित्तीय अनियमितताओं पर रिपोर्ट देना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्व

- PAC सरकार को उत्तरदायी बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- यह संसद की निगरानी भूमिका को सशक्त करती है।
- इसकी रिपोर्टें संसद में पेश की जाती हैं और उन पर चर्चा होती है।
- यह वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रभावशाली उपकरण है।

सीमाएँ:

- PAC के पास कार्रवाई करने का अधिकार नहीं होता, यह केवल जाँच और सिफारिश कर सकती है।
- इसका कार्य CAG रिपोर्ट आने के बाद शुरू होता है, इसलिए इसकी कार्यप्रणाली पोस्ट-फैक्टो (घटनाओं के बाद) होती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पश्चिम बंगाल में डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी में सजा का पहला मामला दर्ज किया गया।

➲ मुख्य बिंदु :

- डिजिटल अरेस्ट एक धोखाधड़ी है, जिसमें डर, धोखे और धमकी का उपयोग करके लोगों से पैसे वसूले जाते हैं।
- पीड़ितों को कॉल, ई-मेल या संदेश के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वे किसी अवैध गतिविधि; जैसे पहचान की चोरी या मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं।
- धोखेबाज गिरफ्तारी की धमकी देकर पीड़ितों को डराते हैं, जिससे वे सोच-समझकर निर्णय नहीं ले पाते।
- पीड़ितों से कहा जाता है कि वे जांच से नाम हटाने या रिफंडेबल डिपॉजिट के नाम पर पैसे फर्जी खातों में जमा करें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

IIM कोझिकोड का 'ज्ञानोदय' केंद्र

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझिकोड (IIMK) ने 'ज्ञानोदय' नामक केंद्र का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु :

- यह एक शैक्षणिक नवाचार और प्रकाशन केंद्र है।
- **उद्देश्य:** शिक्षण और ज्ञान प्रसार में नवाचार, समावेशी और वैश्विक दृष्टिकोण वाले शिक्षाशास्त्र को बढ़ावा देना।
- यह प्रबंधन शिक्षा में क्रांति लाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
- यह पहल IIMK के विज़न@2047 के तहत शुरू की गई।
- यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के उद्देश्यों के अनुरूप है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत त्वरित भुगतान में शीर्ष देश : IMF

चर्चा में क्यों?

- 20 जुलाई, 2025 को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा जारी नोट 'बढ़ता रिटेल डिजिटल भुगतान: इंटरऑपरेबिलिटी का महत्त्व' के अनुसार, भारत त्वरित भुगतान में ग्लोबल लीडर बन गया है।

मुख्य बिंदु :

- भारत ने फास्ट और सिक्योर डिजिटल पेमेंट सेक्टर में पहला स्थान हासिल किया।
- इस परिवर्तन का मूल आधार एकीकृत भुगतान इंटरफेस है, जिसे यूनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (UPI) के नाम से जाना जाता है।
- जून, 2025 में 18.39 बिलियन UPI ट्रांजैक्शन के माध्यम से ₹24 लाख करोड़ का लेन-देन हुआ।
- यूनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (UPI) भारत के 85 प्रतिशत और वैश्विक स्तर पर 50 प्रतिशत डिजिटल भुगतानों को संचालित करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI):

- वर्ष 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा लॉन्च किया गया।
- यह मोबाइल फोन के ज़रिए इंटर-बैंक लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है।
- वर्तमान में UPI संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस सहित आठ देशों में संचालित है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

32वाँ सिंगापुर-भारत द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास (SIMBEX) 2025

चर्चा में क्यों?

- सिंगापुर में भारतीय नौसेना और सिंगापुर नौसेना के बीच 32वाँ सिंगापुर-भारत द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास (SIMBEX) 2025 का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु :

- भारत की ओर से चार स्वदेशी युद्धपोत हिस्सा लेंगे:

1. INS दिल्ली।
2. INS सतपुड़ा।
3. INS किल्टन।
4. INS शक्ति।

SIMBEX:

- SIMBEX भारत और सिंगापुर के बीच एक वार्षिक समुद्री सैन्य अभ्यास है।
- **शुरुआत वर्ष :** 1994
- प्रारंभ में इसे 'लायन किंग अभ्यास' के नाम से जाना जाता था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इन्विक्टस (INVICTUS) परियोजना

➲ चर्चा में क्यों?

- **हाल ही में, हाइपरसोनिक तकनीकों के विकास और परीक्षण हेतु यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) और यूनाइटेड किंगडम की फ्रेजर-नैश कंसल्टेंसी ने INVICTUS परियोजना लॉन्च की।**

➲ मुख्य बिंदु :

- **INVICTUS एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है 'अपराजित' ।**
- **INVICTUS भविष्य में क्षैतिज प्रक्षेपण में सक्षम पुन: प्रयोज्य वाहनों के लिए हाइपरसोनिक तकनीक विकसित करने हेतु एक शोध कार्यक्रम है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह एक पुन: प्रयोज्य प्रायोगिक एयरोस्पेस या एक्सपेरिमेंटल एयरोस्पेस यान है, जो मैक 5 (ध्वनि की गति से पाँच गुना) की गति से उड़ान भरने में सक्षम होगा।
- यह वाहन वायुमंडल में निरंतर हाइपरसोनिक उड़ान के लिए प्रमुख प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेगा और इसे उन्नत किया जा सकेगा, जिससे उड़ान परीक्षण अभियानों के बीच सामग्रियों, सॉफ्टवेयर और प्रणोदन प्रणालियों का आदान-प्रदान संभव हो सकेगा।
- **वित्त पोषण :** ESA के सामान्य सहायता प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (GSTP) और प्रौद्योगिकी विकास तत्त्व (TDE) द्वारा।
- **उद्देश्य :** वर्ष 2027-28 की समय-सीमा में वायुमंडल में मैक 5 की गति से उड़ान भरने में सक्षम वाहन का निर्माण करना तथा वर्ष 2031 तक हाइड्रोजन-संचालित अंतरिक्ष यान विकसित करना।
- यह नवीन प्रौद्योगिकी, जो अति गर्म हवा को एक सेकेण्ड के अंश में ठंडा करने में सक्षम है, का पारंपरिक जेट इंजनों के साथ एकीकरण के माध्यम से पहले ही सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया जा चुका है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) :

- एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 1975 में की गई थी, इसका उद्देश्य यूरोप की अंतरिक्ष क्षमता के विकास को आकार देना तथा यह सुनिश्चित करना है कि अंतरिक्ष में निवेश से यूरोप और विश्व के नागरिकों को लाभ मिले।
- इसमें कुल 23 सदस्य देश शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

अपतटीय क्षेत्रों में परमाणु खनिजों के संचालन अधिकार नियम, 2025

चर्चा में क्यों?

- **हाल ही में, केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 35 के अंतर्गत अपतटीय क्षेत्र परमाणु खनिज परिचालन अधिकार नियम, 2025 को अधिसूचित किए गए।**

मुख्य बिंदु :

- **भारत के परमाणु खनिज : भारत में यूरेनियम, थोरियम और ग्रेफाइट उत्पादित किए जाते हैं। अन्य खनिजों में बेरीलियम, जिरकॉन और एंटिमनी भी पाए जाते हैं।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

यूरेनियम :

- **भारत में यूरेनियम भंडार मुख्यतः क्रिस्टलीय चट्टानों में पाए जाते हैं।**
- **देश का 70 प्रतिशत यूरेनियम भंडार झारखंड में संकेद्रित हैं।**
- **यूरेनियम के प्रमुख भंडार : सिंहभूम, हजारीबाग, बागजाता (झारखंड), गया (बिहार), सहारनपुर (उत्तर प्रदेश), लांबापुर-पेड्डागट्टू (आंध्र प्रदेश)।**
- **यूरेनियम खदानें : जादुगुड़ा, भाटिन, बागजाता, बंदुहुरंग, मोहुलडीह, नरवापहाड़, तुरामडीह।**
- **जादूगोड़ा (झारखंड) : देश की पहली खदान है, जहां वाणिज्यिक स्तर पर यूरेनियम उत्पादित किया गया।**
- **वर्तमान में भारत विश्व के लगभग 2 प्रतिशत यूरेनियम का उत्पादन करता है।**
- **वैश्विक यूरेनियम उत्पादन देश : कजाकिस्तान (42 प्रतिशत), कनाडा (13 प्रतिशत), ऑस्ट्रेलिया (12 प्रतिशत)।**

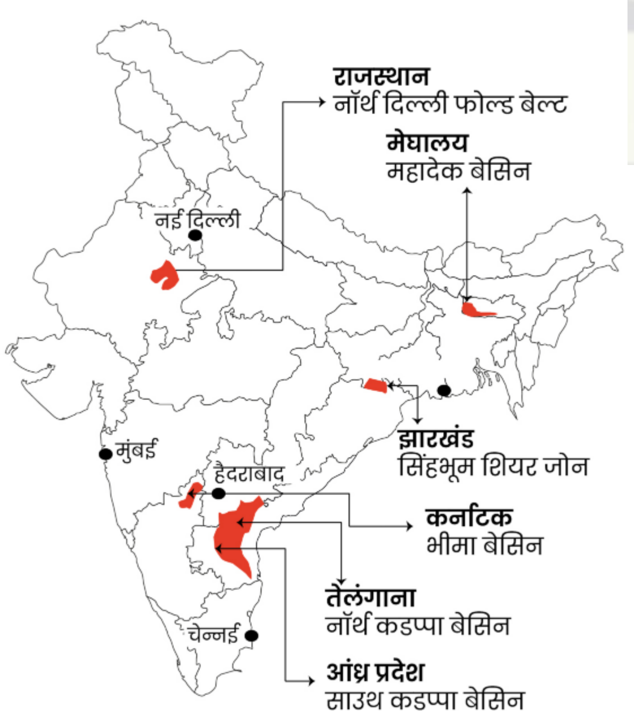

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

थोरियम :

- **उपलब्धता :** मोनोजाइट मृदा में लगभग 8-10 प्रतिशत तक पाया जाता हैं।
- भारत, दुनिया के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में से एक है जो मुख्यतः केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के मोनाज़ाइट रेत में केंद्रित है।
- परमाणु ऊर्जा विभाग (DoAE) के अनुसार, भारत ने 11.93 मिलियन टन से अधिक इन-सीटू मोनाज़ाइट संसाधनों की पहचान की है, जिनमें 1 मिलियन टन से अधिक थोरियम मौजूद है।

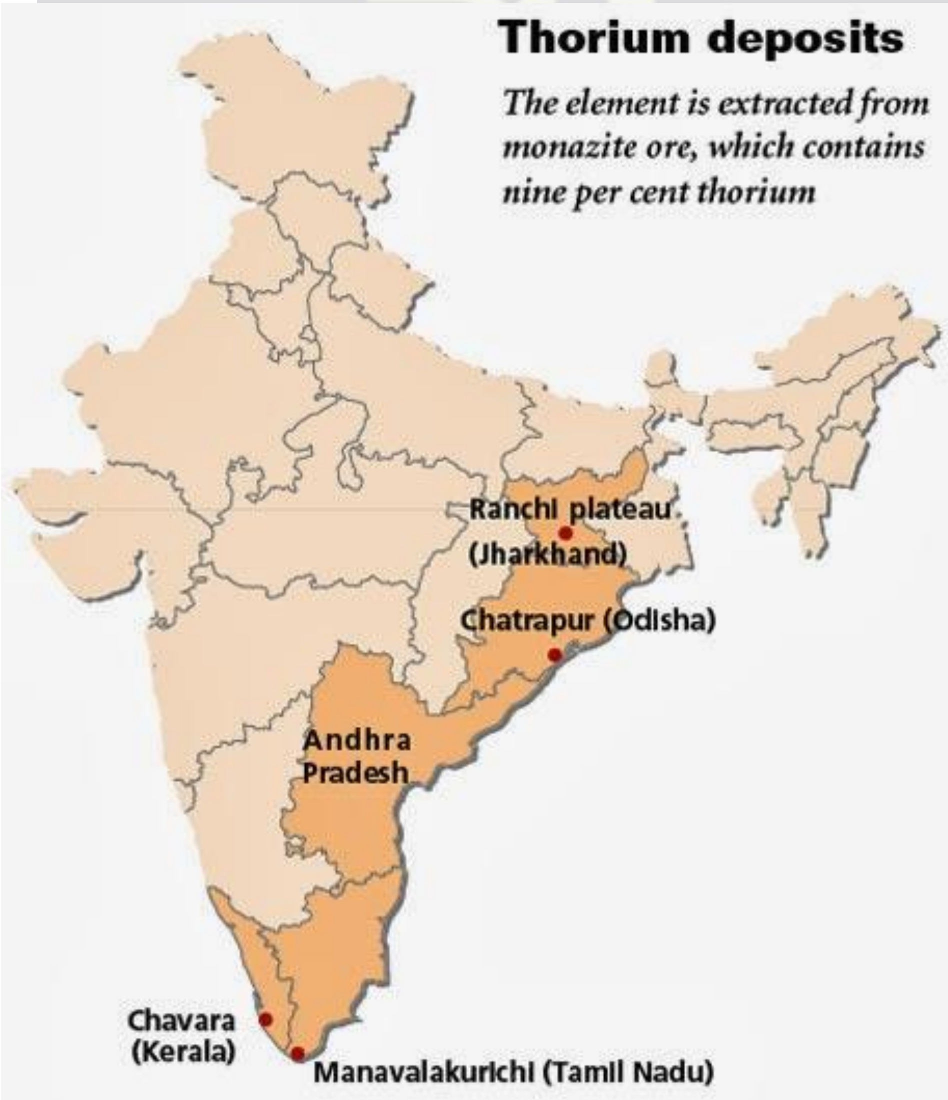

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चर्चित व्यक्तित्व

यूलिया स्विरीडेंको – यूक्रेन की पहली महिला प्रधानमंत्री

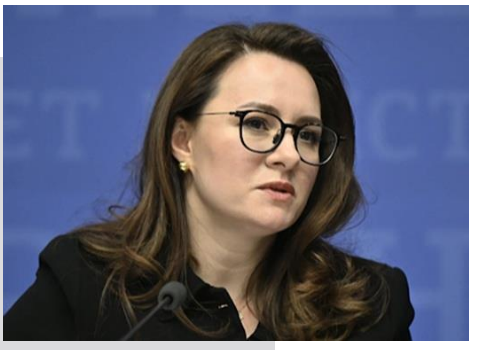

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **हाल ही में, रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच यूलिया स्विरीडेंको को यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **इससे पहले वे यूक्रेन की वित्त मंत्री (अर्थव्यवस्था मंत्री) थीं।**
- **उन्होंने डेनिस श्म्यहाल का स्थान लिया है।**
- **डेनिस श्म्यहाल को अब रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है।**
- **यूलिया एक अनुभवी अर्थशास्त्री और कूटनीतिज्ञ हैं।**

Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण दिवस

अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस 2025

➲ **चर्चा में क्यों?**

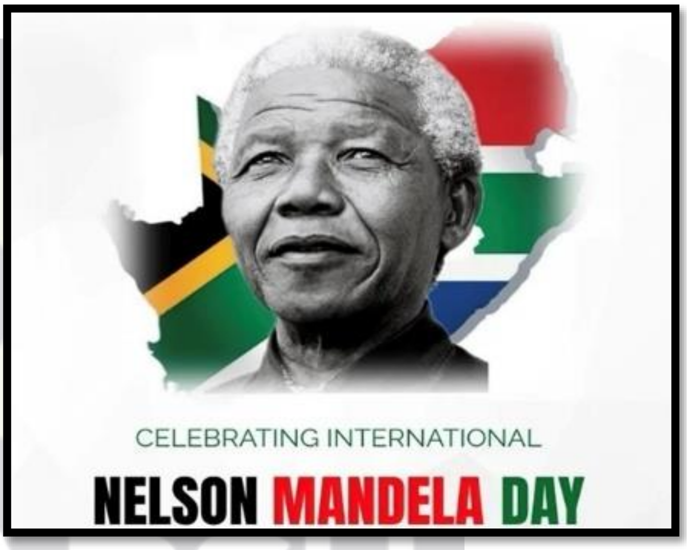

- प्रति वर्ष 18 जुलाई को 'अंतरराष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस' मनाया जाता है।

➲ **मुख्य बिंदु :**

- यह दिवस दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला द्वारा किये गये संघर्ष की याद दिलाता है।
- इस दिवस का उद्देश्य न्याय, शांति और समानता के लिए लोगों को प्रेरित करना है।
- इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2009 में नेल्सन मंडेला फाउंडेशन द्वारा की गई थी। उसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को आधिकारिक मान्यता दी।
- मंडेला ने रंगभेद के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने जीवन के 27 वर्ष जेल में बिताये।
- **2025 की थीम:** 'गरीबी और असमानता से लड़ना अभी भी हमारे हाथ में है'।
- **नेल्सन मंडेला की आत्मकथा :** लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम (Long Walk to Freedom)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विश्व शतरंज दिवस 2025

➲ चर्चा में क्यों?

- प्रति वर्ष 20 जुलाई को 'विश्व शतरंज दिवस' मनाया जाता है।

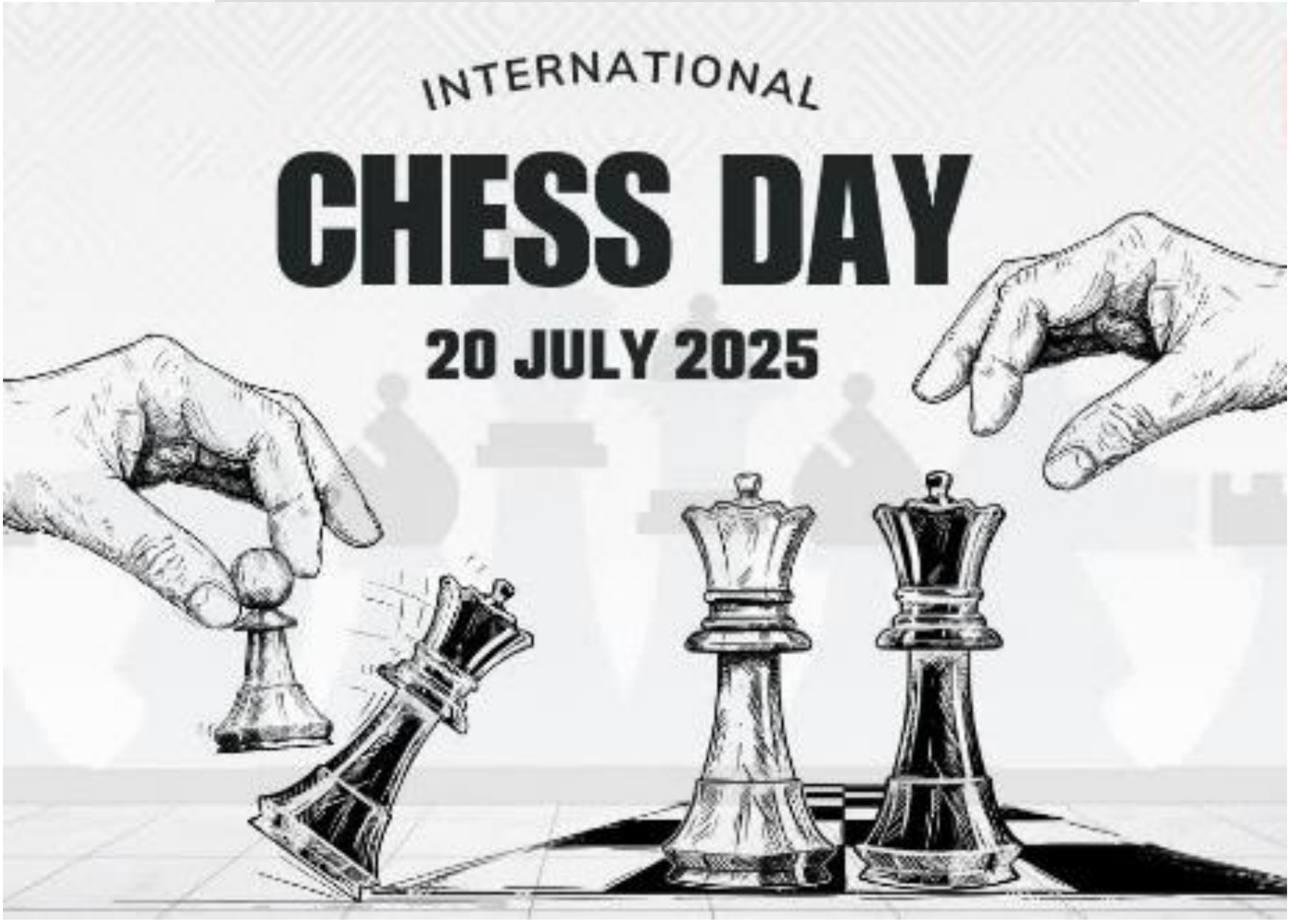

➲ मुख्य बिंदु :

- यह दिवस वर्ष 20 जुलाई, 1924 में अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) की स्थापना की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- यूनेस्को ने वर्ष 1966 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय मान्यता देने का प्रस्ताव रखा गया।
- शतरंज की जड़ें प्राचीन भारत में 'चतुरंग' नामक खेल में मिलती हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल परिदृश्य

अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड 2025

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के सनशाइन कोस्ट में आयोजित 66वें अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (IMO) में भारतीय टीम ने 110 देशों में से 7वां स्थान हासिल किया।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **भारतीय टीम ने 252 में से 193 अंकों के संचयी स्कोर के साथ एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया, जो IMO में भारत द्वारा अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।**
- **भारतीय टीम :** 6 प्रतिभागी।
- **कुल पदक :** 6
  - **3 स्वर्ण पदक : कनव तलवार, आरव गुप्ता और आदित्य मंगुडी।**
  - **2 रजत पदक : एबेल जॉर्ज मैथ्यू और आदिश जैन।**
  - **1 कांस्य पदक : अर्चित मानस।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- वर्ष 1998 के बाद यह दूसरी बार है जब देश ने ओलंपियाड में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं।
- वर्ष 2024 में भारत ने चार स्वर्ण पदक के साथ चौथा सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया था।
- होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र, राष्ट्रीय ओलंपियाड परीक्षा आयोजित करने के लिए उत्तरदायी नोडल एजेंसी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**पशुपालन और मुर्गीपालन को कृषि का दर्जा** ♦ हाल ही में, महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने पशुपालन और मुर्गीपालन को आधिकारिक रूप से कृषि का दर्जा दिया हैं। ♦ इस निर्णय से लगभग 3.7 करोड़ पशुपालकों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है। ♦ इससे छोटे किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण उद्यमियों को कृषि योजनाओं में समान भागीदारी मिलेगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR